

side for resumption of trade between the two countries and consequently there has been no development in the matter.

इटारसी तथा बम्बई के बीच चलने वाली एक्सप्रेस तथा मेल गाड़ियाँ

3489. श्री गं० च० दोजित : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इटारसी तथा बम्बई के बीच चलने वाली एक्सप्रेस तथा मेल गाड़ियों के तीसरे दर्जे के डिब्बों में इतनी अधिक भीड़ होती है कि दम घुटने लगना है ;

(ख) यदि हाँ, तो क्या सरकार का विचार यह है कि जनता एक्सप्रेस गाड़ी को, जो इन स्टेशनों के बीच इस समय सप्ताह में केवल दो बार चलती है; रोजाना चलाया जाये ; और

(ग) यदि नहीं, तो इस के क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री वे० नू० पनाहर) :
(क) में (ग). बम्बई-इटारसी खण्ड पर मेल-एक्सप्रेस गाड़ियों में कुछ भीड़ रहती है। रास्ते के खण्डों में लाइन क्षमता के अभाव में हफ्ते में दो बार चलने वाली 41 डाउन 42 अप बम्बई हावड़ा जनता एक्सप्रेस को अभी अधिक बार चलाना परिचालन की दृष्टि से व्यावहारिक नहीं है। लेकिन लाइन क्षमता बढ़ाने के लिये निर्माण-कार्यों का कार्यक्रम बनाया गया है और उन में से कुछ पर काम हो रहा है। जब ये काम पूरे हो जायेंगे, तब इंजन और सागरी डिब्बों की स्थिति को देखते हुए जनता एक्सप्रेस को हफ्ते में अधिक बार चलाने के सम्बन्ध में विचार किया जायेगा। इस बीच 1 अक्टूबर, 1967 से पंजाब मेल गाड़ियों को डीजल इंजन से चलाने का विचार है। इस से इन गाड़ियों में अधिक डिब्बे लगाये जा सकेंगे और कुछ राहत मिलेगी।

महान् प्रदेश में हथकरघा कपड़े का उत्पादन

3490. श्री गं० च० दोजित : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1966-67 में मध्य प्रदेश में हथकरघा से कुल कितना कपड़ा तैयार किया गया;

(ख) उक्त अवधि में कुल कितना सूती कपड़ा तैयार किया गया; और

(ग) उक्त अवधि में उस राज्य में हथकरघा उद्योग के विकास के लिये मध्य प्रदेश के लिये कुल कितनी राशि मंजूर की गई ?

वाणिज्य मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री शफी कुरेजी) : (क) लगभग 2.16 करोड़ मीटर।

(ख) 730.5 करोड़ मीटर।

(ग) 534,000 रुपये।

Bharat Heavy Electricals, Ltd.

3491. Shri Shiv Kumar Shastri:
Shri Kanwar Lal Gupta:
Shri Raghuvir Singh Shastri:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri R. Shastri:
Shri Ram Sewak Yadav:

Will the Minister of Industrial Development and Company Affairs be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the General Manager, Deputy General Manager, Chief Engineer Technical, Chief Engineer Civil, Works Manager of the Heavy Power Equipment Plant and F.A. and C.A.O. of B.H.E.L. reside in town, which is 20 miles from the site and are being paid house rent and compensatory allowance, while-

enough accommodation is available on site;

(b) if so, the considerations under which they have been allowed to do so while employees in the lower categories have to live on the site; and

(c) what are the rules for air-travel applicable to Officers of this Unit?

The Minister of Industrial Development and Company Affairs (Shri F. A. Ahmed): (a) and (b). At present, only the General Manager, Works Manager, Chief Engineer (Civil) and Chief Engineer (Technical) reside in the city. The General Manager and the Chief Engineer (Civil) do not draw house rent allowance. The quarters for the General Manager is under construction. In the allotment of higher type of quarters, all of which have been allotted, preference has been given to foreign experts and to regular employees of the Company. The present Chief Engineer (Civil), Chief Engineer (Technical) and Works Manager who are all deputations, have been permitted to continue their private arrangements.

(c) Officers in receipt of pay Rs. 1,600 per month and above are permitted to travel by Air at their discretion.

Officers in receipt of pay less than Rs. 1,600 per month but Rs. 1,300 and above are permitted to travel by Air provided that (a) the distance proposed to be travelled by Air is not less than 800 Kms. and the journey cannot be performed over-night by Rail; (b) the Airport lies on the shortest route and no detour is involved by reaching it by Rail; (c) undertaking part of the journey by Air results in an overall saving of a substantial part of a working day.

Other staff can in special cases travel by Air if the Competent Authority certifies that the purpose of the tour is very urgent and Air travel is considered essential in the interests of the Company.

दक्षिण पूर्व रेलवे में रेलवे टुर्न

3492. श्री महाशय श्री :

श्री जगन्नाथ राव बोसो :

श्री हुसैन अमर कस्तुराव :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दक्षिण पूर्व रेलवे में रायपुर में तेलघानी नाका के लोगों ने इस स्थान के निकट एक पुल बनाने के बारे में सरकार को अभ्यावेदन भेजा है जैसा कि जून, 1967 के नवभारत दृष्टक में समाचार प्रकाशित हुआ है;

(ख) क्या यह भी सच है कि दक्षिण पूर्व रेलवे अधिकारियों ने पुल बनाने के बारे में अनेक बार आश्वासन दिये हैं;

(ग) यदि हां, तो अब तक पुल के न बनाये जाने के क्या कारण हैं; और

(घ) इसका निर्माण कब तक पूरा हो जाने की आशा है ?

रेलवे मंत्री (श्री वें० च० पुनश्वा) :

(क) रायपुर स्टेशन के पश्चिमी सिरे पर तेलघानी नाका समथार के बंदे ऊपरी सड़क पुल बनाने के लिये राज्य सरकार स्वामीय नगरपालिका और जनता की ओर से समय समय पर अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं।

(ख) और (ग). वर्तमान नियमों के अनुसार, रेलवे मन्त्रालय के बंदे लार्ड्स के ऊपर / नीचे सड़क पुलों का निर्माण करती हैं। वर्तमान में योजनाएं राज्य सरकार द्वारा प्राथमिकता दी जायें और वर्तमान राज्य सरकार / सड़क प्राथमिकता लागत के अन्तर्गत धरने के लिये विद्ये सहमत की।